कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

आज़ादी का अमृत महोत्सव

# जागृति

वर्ष:66 अंक-09 मुम्बई अगस्त 2022

श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधान मंत्री

श्री नारायण तातु राणे
माननीय मंत्री, एमएसएमई

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा
माननीय राज्यमंत्री, एमएसएमई

Khadi India

## केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कार्यभार ग्रहण किया और कहा कि कारीगरों को आजीविका देना और खादी को वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय बनाना प्राथमिकता होगी

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
**खादी और ग्रामोद्योग आयोग**

कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

# जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष:66 अंक-09 मुम्बई अगस्त 2022

## सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

सह संपादक
संजीव पोसवाल

उप संपादक
सुबोध कुमार

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
कलाकार
शेखर पुनवटकर
दिलीप पालकर
उप संपादक
सुबोध कुमार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुंबई -400056 के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

## इस अंक में.....

समाचार सार ..... 03-23

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कार्यभार ग्रहण किया और कहा कि कारीगरों को आजीविका देना और खादी को वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय बनाना प्राथमिकता होगी.....3

खादी जितनी ग्लोबल होगी उतनी ही वैश्विक मांग बढ़ेगी.....4

आयोग की 689वीं बैठक दिनांक 27 जुलाई, 2022 को आयोग मुख्यालय में सम्पन्न.....6

केवीआईसी द्वारा नौकरियों का सृजन.....7

आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने 26 जुलाई, 2022 को आयोग के राज्य कार्यालय, महाराष्ट्र का दौरा किया और राज्य कार्यालय द्वारा कार्यान्वित की जा रही गतिविधियों.....10

राष्ट्रीय ध्वज का निर्माण.....11

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार द्वारा श्री महिला गृह उद्योग लिज्जत पापड़, मुंबई का दौरा .....12

केवीआईसी ने खादी के लिए उत्कृष्टता केन्द्र द्वारा बनाए गए खादी के लिए नॉलेज पोर्टल लॉन्च किया .....13

खादी, हमें कर्तव्यों के साथ नैतिक मूल्यों की पहचान कराती है.....14

मुम्बई में पीएमईजीपी योजना पर राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजन.....15

प्रेस कवरेज व सोशल मीडिया..... 19

Khadi India

# केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कार्यभार ग्रहण किया;

## कारीगरों को आजीविका देना और खादी को वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय बनाना प्राथमिकता होगी - केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार

***खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के नए अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने 15 जुलाई, 2022 को पदभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद, उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को पूरा करना है और जमीनी स्तर पर अधिक से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम इकाइयों की स्थापना करके केवीआईसी की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से देश में अतिरिक्त रोजगार के साथ-साथ स्वावलंबी भारत के निर्माण में अहम योगदान देना है। केवीआईसी माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विजन पर काम करेगा, जिसके तहत हमारे युवा 'नौकरी तलाशने वाले नहीं, अपितु नौकरी देने वाले' बनें।***

केवीआईसी में विशेषज्ञ सदस्य विपणन (मार्केटिंग) के रूप में कार्य कर चुके श्री मनोज कुमार के पास विपणन और ग्रामीण विकास का व्यापक अनुभव है। वह मानते हैं कि देश में खादी की 'एक मौन क्रांति' चल रही है, जिसके नायक माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हैं। पिछले 8 वर्षों में माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में 'खादी इंडिया' ने जो लक्ष्य हासिल किए हैं वो अद्भुत है।

(शेष पृष्ठ 09 पर)

# खादी जितनी ग्लोबल होगी उतनी ही वैश्विक मांग बढ़ेगी

- मनोज कुमार , अध्यक्ष, केवीआईसी

*मुंबई, 21 जुलाई, 2022 : खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री मनोज कुमार का 15 जुलाई, 2022 को अपना पदभार ग्रहण करने के पश्चात केवीआईसी मुख्यालय मुंबई मे प्रथम आगमन हुआ।*

इस अवसर पर आयोग के मुख्यालय परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्होने आयोग के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को पूरा करना है और जमीनी स्तर पर अधिक से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम इकाइयों की स्थापना कर केवीआईसी की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से देश में अतिरिक्त रोजगार सृजन के साथ-साथ स्वावलंबी भारत के निर्माण में अहम योगदान देना है।

अध्यक्ष महोदय ने कहा कि हम माननीय प्रधानमंत्री मोदी के सबका साथ, सबका विकास और खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन और खादी फॉर ट्रांसफॉर्मेशन के मूलमंत्र पर खादी इंडिया को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाने का प्रयास करेंगे। जिस तरह से खादी पिछले कुछ वर्षों में भारत में फिर से लोकप्रिय हुई है उसी तरह से इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना उनकी प्राथमिकता होगी। उनका प्रयास होगा कि खादी लोकल से 'खादी ग्लोबल' हो जाये और पूरी दुनिया में भारत के स्वदेशी उत्पादों की मांग बढ़े।

उन्होने आगे कहा, उनका प्रयास होगा कि केवीआईसी के साथ जुड़े ज्यादा से ज्यादा कारीगरों के हाथों मे पैसा पहुंचे जिससे

उनकी आय के स्त्रोत बढ़े और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े कारीगरों का आर्थिक विकास हो और उन्हे आत्म निर्भर बनाया जा सके। आयोग का प्रयास होगा कि " हर हांथ को काम और काम का उचित दाम" मिले।

श्री मनोज कुमार ने कहा कि आयोग द्वारा चालाई जा रही योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ सामान्यजन मानस को अधिक से अधिक पहुंचाने के लिए योजनाओं का सरलीकरण किया जाएगा। उन्होने कहा कि खादी उत्पादों की उपभोक्ताओं तक अधिक से अधिक पहुँच बनाने के लिए आयोग द्वारा ई-कॉमर्स पर भी पहल की जा चुकी है जिसे और सुदृढ़ किया जाएगा।

माननीय अध्यक्ष महोदय ने अपना पदभार ग्रहण करने के पश्चचात देश भर के खादी क्षेत्र से जुड़े आम जनों और खादी प्रेमियों को संबोधित करते हुए एक संदेश जारी किया :

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर जब राष्ट्र आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, ऐसे समय में खादी ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। न केवल स्वतंत्रता आंदोलन में अपितु स्वतंत्रता के पश्चात अभी तक के पचहत्तर वर्षों में खादी और ग्रामोद्योग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। महात्मा गांधी के कथन, कि भारत का भविष्य उसके गांवों में बसता है, राष्ट्र निर्माण में हमारे गांवों की ठोस सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था के योगदान को दर्शाता है।

राष्ट्र की ग्राम्य व्यवस्था में खादी ग्रामोद्योग आयोग की भूमिका पिछले छः दशकों से भी अधिक समय से अग्रणी रही है। आयोग से जुड़े देश भर के लाखों बुनकर, कलाकार और ग्रामोद्योगों में लगे कारीगर इस व्यवस्था की ऐसी कड़ियां हैं जिनका योगदान इसे बनाने तक सीमित नहीं है अपितु लगातार इसे सुदृढ़ करने में भी है। आयोग इन आधारभूत राष्ट्र निर्माताओं के योगदान के प्रति हमेशा कृतज्ञ है। आयोग के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करते हुए मैं आज पुनः इस कृतज्ञता को दोहराता हूँ।

भारतीय खादी के वस्त्र, हस्तशिल्प के उत्पाद या हमारे ग्रामोद्योगों में बनी खाद्य पदार्थ हों, इन वस्तुओं ने एक राष्ट्र के रूप में भारतवर्ष को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दी है। यह हमारे पूर्वजों और ग्रामीण संस्कृति की धरोहर ही है कि ये उत्पाद न केवल विश्व स्तरीय होते हैं बल्कि प्रकृति के करीब भी होते हैं। जलवायु परिवर्तन से जूझ रहे वर्तमान विश्व के लिए हमारे गांवों से आनेवाले ये उत्पाद आदर्श साबित हो सकते हैं। आज विकसित देशों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वहनीयता को मिलने वाली प्राथमिकता हमारे इन उत्पादों और उनकी स्वीकार्यता के लिए नए अवसर प्रदान करती है। ऐसे में हमारा कर्त्तव्य है कि हम

(शेष पृष्ठ 09 पर)

# आयोग की 689वीं बैठक दिनांक 27 जुलाई, 2022 को आयोग मुख्यालय में सम्पन्न हुई

# केवीआईसी द्वारा नौकरियों का सृजन

21 जुलाई, 2022: एमएसएमई मंत्रालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के माध्यम से खादी और ग्रामोद्योगों को बढ़ावा देता है और सहायता करता है जो खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों के उत्पादन और बिक्री में लगे हुए हैं, जिससे विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के माध्यम से ग्रामीण कारीगरों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होते हैं।

खादी और ग्रामोद्योगों द्वारा 31.03.2022 तक सृजित संचयी रोजगार नीचे दिया गया है:

| वर्ष | संचयी रोजगार (लाख व्यक्तियों में) | | |
|---|---|---|---|
| | खादी | ग्रामोद्योग | खादी व ग्रामोद्योग (केवीआई) |
| 31.03.2022 तक (अनंतिम) | 4.97 | 162.63 | 167.60 |

महाराष्ट्र राज्य में खादी और ग्रामोद्योगों द्वारा 31.03.2022 तक सृजित संचयी रोजगार नीचे दिया गया है:

| वर्ष | महाराष्ट्र राज्य में संचयी रोजगार (लाख व्यक्तियों में) | | |
|---|---|---|---|
| | खादी | ग्रामोद्योग | खादी व ग्रामोद्योग (केवीआई) |
| 31.03.2022 तक (अनंतिम) | 0.03 | 11.65 | 11.68 |

इसके अलावा, केवीआईसी के माध्यम से एमएसएमई मंत्रालय प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) को लागू कर रहा है, जो एक प्रमुख क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के माध्यम से गैर कृषि क्षेत्र में, महाराष्ट्र के परभणी जिले सहित देश में - ग्रामीण और शहरी बेरोजगार व्यक्तियों के लिए स्वरोजगार के अवसर पैदा करना है। भारत सरकार द्वारा केवीआईसी के माध्यम बैंक ऋण और सब्सिडी (जिसे मार्जिन मनी सब्सिडी भी कहा जाता है) प्रदान की जाती है।

पीएमईजीपी के तहत, सामान्य श्रेणी के लाभार्थी ग्रामीण क्षेत्रों में परियोजना लागत के 25% और शहरी क्षेत्रों में 15% की मार्जिन मनी सब्सिडी का लाभ उठा सकते हैं। विशेष श्रेणियों जैसे एसटी/एससी/ ओबीसी/महिला/ अल्पसंख्यक/ ट्रांसजेंडर आदि से संबंधित लाभार्थियों के लिए मार्जिन मनी

## पिछले तीन वर्षों के दौरान परभणी जिले में पीएमईजीपी योजना का प्रदर्शन इस प्रकार है:

| साल | परियोजना (संख्या में) | मार्जिन मनी जारी (रु. लाख में) | रोज़गार (संख्या में) |
|---|---|---|---|
| 2019-20 | 87 | 119.95 | 696 |
| 2020-21 | 41 | 66.42 | 328 |
| 2021-22 | 73 | 88.18 | 584 |

पीएमईजीपी के तहत स्थापित इकाइयों सहित एमएसएमई पर कोविड-19 महामारी के प्रभाव का आकलन करने के लिए केवीआईसी द्वारा किए गए एक अध्ययन के निष्कर्षों को अनुबंध- I में रखा गया है।

केवीआईसी, बीपीएल कारीगरों को वित्तीय सहायता की कोई विशिष्ट योजना लागू नहीं कर रहा है। हालांकि, बीपीएल कारीगर जो अपना योगदान देने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें ग्रामोद्योग विकास योजना के विभिन्न कार्यक्रमों, जैसे हनी मिशन, कुम्हार सशक्तिकरण कार्यक्रम, अगरबत्ती पर पायलट परियोजना, आदि के तहत प्रशिक्षण और उपकरण प्रदान किए जाते हैं।

केवीआईसी ने देश में ग्रामीण पारंपरिक उद्योगों को बढ़ावा देने, विकसित करने और मजबूत करने और रोजगार सृजन के लिए कई पहल की हैं। इसके अलावा, केवीआईसी अपने प्रशिक्षण केंद्रों और अन्य प्रचार योजनाओं के माध्यम से पारंपरिक उद्योगों में स्वरोजगार के अवसर पैदा करने हेतु बेरोजगार युवाओं के लिए देश में कौशल विकास कार्यक्रम (एसडीपी) और उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम (ईएपी) आयोजित करता है। केवीआईसी की पहलों का विवरण जो अनुबंध-II में प्रदान किया गया है।

**अनुबंध- I**

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत स्थापित इकाइयों सहित एमएसएमई पर कोविड-19 महामारी के प्रभाव का आकलन करने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) अध्ययन द्वारा किया गया। अध्ययन के निष्कर्ष इस प्रकार हैं:

I. पीएमईजीपी योजना के 88% लाभार्थियों ने बताया कि वे कोविड -19 के कारण नकारात्मक रूप से प्रभावित हुए थे, जबकि शेष 12% ने कहा कि वे कोविड -19 महामारी के दौरान लाभान्वित हुए थे।

ii. प्रभावित होने वाले 88% लोगों में, 57% ने कहा कि उनकी इकाइयां इस अवधि के दौरान कुछ समय के लिए बंद रहीं, जबकि 30% ने उत्पादन और राजस्व में गिरावट की जानकारी दी।

iii. लाभान्वित हुए 12% में से, 65% ने कहा कि उनके

व्यवसाय में वृद्धि हुई क्योंकि उनके पास खुदरा और स्वास्थ्य क्षेत्र में इकाइयाँ थीं और लगभग 25% ने कहा कि उनकी इकाइयाँ लाभान्वित हुईं क्योंकि वे आवश्यक वस्तुओं या सेवाओं से निपट रहे थे।

iv. कर्मचारियों को वेतन के नियमित भुगतान के सवाल पर, लगभग 46.60% उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्होंने पूरे वेतन का भुगतान किया है, 42.54% ने आंशिक रूप से भुगतान किया है और 10.86% ने इस अवधि के दौरान कुछ समय के लिए वेतन का भुगतान नहीं करने की सूचना दी है।

**अनुबंध- II**

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने देश में ग्रामीण पारंपरिक उद्योगों को बढ़ावा देने, विकसित करने और मजबूत करने और रोजगार सृजन के लिए निम्नलिखित पहल की है:

देश के किसानों, आदिवासियों और बेरोजगार युवाओं की आय के पूरक के लिए केवीआईसी ने 2017-18 के दौरान हनी मिशन शुरू किया। हनी मिशन के तहत, प्रत्येक व्यक्ति को जीवित मधुमक्खी के छत्ते के साथ 10 मधुमक्खी बक्से प्रदान किए जाते हैं।

केवीआईसी, कुम्हार सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत कौशल उन्नयन प्रशिक्षण प्रदान करके और विद्युत चालित कुम्हारी चाक, ब्लंजर जैसे नए घरेलू पैमाने पर ऊर्जा कुशल उपकरण प्रदान करके ग्रामीण मिट्टी के बर्तनों के कारीगरों की आजीविका का उत्थान कर रहा है।

(पृष्ठ से 03 आगे)

## केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने.....

के.वी.आई.सी अध्यक्ष श्री मनोज कुमार के अनुसार उनका प्रयास होगा कि केवीआईसी के साथ जुड़े ज्यादा से ज्यादा 'कारीगरों के हाथों में पैसा पहुंचे' ताकि उनके आय के स्रोत बढ़ें, जिससे समाज के अंतिम पायदान पर खड़े कारीगरों का आर्थिक विकास हो और उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

आयोग का प्रयास होगा कि 'हर हाथ को काम और काम का उचित दाम' मिले । श्री मनोज कुमार के अनुसार वह माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के "सबका साथ, सबका विकास" और 'खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन और खादी फॉर ट्रांस्फार्मेशन' के मूलमंत्र पर खादी इंडिया को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाने का प्रयास करेंगे । जिस तरह से खादी पिछले कुछ वर्षों में भारत में फिर से लोकप्रिय हुई है उसी तरह से इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना उनकी प्राथमिकता होगी।

उनका प्रयास होगा कि खादी लोकल से 'खादी ग्लोबल' हो जाये और पूरी दुनिया में भारत के स्वदेशी उत्पादों की मांग बढ़े।

(पृष्ठ से 05 आगे)

## खादी जितनी ग्लोबल होगी उतनी ही वैश्विक मांग.....

मिलकर इन उत्पादों के घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता के लिए कड़ी मेहनत करें।

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं; जब हम खादी का कोई उत्पाद खरीदते हैं तो हम उन लाखों कत्तिन एवं बुनकरों के जीवन को प्रकाशमय बनाते हैं जो दिन रात मेहनत करते हैं। यह प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में वर्तमान सरकार की ग्रामीण भारत के प्रति वचनबद्धता और उसका प्रभाव है कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खादी के उत्पादों की स्वीकार्यता हाल के वर्षों में बढ़ी है। हमारा प्रयास रहेगा कि पिछले आठ वर्षों में आयोग की उपलब्धियों पर हम न केवल मजबूत बनाएं बल्कि उसे अगले स्तर पर ले जाएँ ताकि इन उत्पादों का वैश्विक बाजार में हिस्सा बढ़े।

इस अवसर का उपयोग करते हुए मैं विश्वास दिलान चाहता हूँ कि आयोग के अध्यक्ष के रूप में मेरी प्राथमिकता हमारे बुनकरों, कारीगरों और शिल्पकारों के लिए न केवल रोजगार पैदा करना होगा अपितु खादी की वैश्विक स्वीकार्यता और उसकी लोकप्रियता को बढ़ाना होगा।

**आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने 26 जुलाई, 2022 को आयोग के राज्य कार्यालय, महाराष्ट्र का दौरा किया और राज्य कार्यालय द्वारा कार्यान्वित की जा रही गतिविधियों पर कार्यालय के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से चर्चा की।**

# राष्ट्रीय ध्वज का निर्माण

**दिल्ली, 28 जुलाई 2022 : गृह मंत्रालय ने अपने आदेश दिनांक 30.12.2021 के तहत भारतीय ध्वज संहिता, 2002 में संशोधन किया है।**

पॉलिएस्टर से बने राष्ट्रीय ध्वज या मशीन से बने झंडों को अनुमति दी गई है। अब, भारत का राष्ट्रीय ध्वज हाथ से काता और हाथ से बुने हुए या मशीन से बने, कपास/पॉलिएस्टर/ऊन/रेशम खादी बन्टिंग से बना होगा।

संशोधन आदेश संख्या 02/01/2020-सार्वजनिक (भाग-III) दिनांक 30.12.2021 और अद्यतन भारतीय ध्वज संहिता, 2002 गृह मंत्रालय की वेबसाइट www.mha.gov.in पर उपलब्ध हैं।

यह जानकारी सूक्ष्म, लघु और उद्यम मध्यम राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।

# केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार द्वारा श्री महिला गृह उद्योग लिज्जत पापड़, मुंबई का दौरा

**केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने 26 जुलाई, 2022 को श्री महिला गृह उद्योग लिज्जत पापड़ का पहला दौरा किया।**

इस दौरे के दौरान अध्यक्ष केवीआईसी, जो पहले केवीआईसी के विशेषज्ञ सदस्य थे, ने अपने अनुभव साझा किए और अध्यक्ष लिज्जत सुश्री स्वाति पराडकर के साथ विपणन युक्तियों की सलाह दी।

सुश्री स्वाति पराडकर ने यह भी बताया कि कैसे लिज्जत पापड़ का सपना दुनिया भर में जानी जाने वाली एक विशाल कंपनी के रूप में विकसित हुआ है।

इस अवसर पर अध्यक्ष केवीआईसी ने लिज्जत की महिला कार्यबल के साथ बातचीत के दौरान महिलाओं की कारीगरी की सराहना की, जिन्होंने लिज्जत में शामिल होने के बाद अपने सकारात्मक अनुभव और विकास की कहानियों को

साझा किया।

उन्होंने लिज्जत पापड़ से संबंधित पैकेजिंग और अन्य गतिविधियों का बारीकी से अवलोकन किया और अपने विशेषज्ञ सुझाव साझा किए।

# केवीआईसी ने खादी के लिए उत्कृष्टता केन्द्र द्वारा बनाए गए खादी के लिए नॉलेज पोर्टल लॉन्च किया

**खादी के लिए उत्कृष्टता केन्द्र द्वारा खादी हेतु नॉलेज पोर्टल लॉन्च किया गया है। यह खादी संस्थाओं को डिजाइन निर्देश देने के लिए एक विकसित मंच है। पोर्टल का उद्घाटन खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा ने 14 जुलाई 2022 को किया। सूक्ष्म, लघु एवं मध्य उद्यम मंत्रालय के केवीआईसी द्वारा निफ्ट (एनआईएफटी) में खादी के लिए उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना खादी संस्थानों को सहयोग देने लिए की गई है।**

खादी के लिए नॉलेज पोर्टल का प्रयास खादी संस्थानों के व्यापक वर्ग तक डिजाइन नॉलेज का प्रसार करना है। पोर्टल का उद्देश्य रूझानों को सरल बनाकर, विशेषकर खादी के लिए उपयुक्त डिजाइन बनाना है। चार कहानियां/ डिजाइन निर्देशन की परिकल्पना की गई है और इसे वॉल्यूम- I में प्रस्तुत किया गया है। प्रत्येक कहानी में एक विषय, रंग पैलेट (रंग पटिया) और बुनी हुए डिजाइनों के लिए निर्देशन, प्रिंट, बनावट और उपरी सहत है। प्रत्येक कहानी को दो वर्गों- होम और अपैरल (परिधान) में विभाजित किया गया है। होम और अपैरल दोनों के लिए विषय के अतिरिक्त पोर्टल में साइज चार्ट, सिलूएट बोर्ड्स, बटन, क्लोजर, सिलाई तथा फिनिश की भी व्यवस्था है।

सीजन और रूझान के अनुसार निर्देश उपलब्ध कराने के लिए सूचना को वर्ष में दो बार अद्यतन किया जाएगा। यह परिकल्पना की गई है कि सूचना न केवल खादी संस्थानों के लिए मूल्यवान हो बल्कि खादी के लिए परिधान विकास, गृह उत्पाद और पैकेजिंग में सहयोग देने वाले संगठनों के लिए भी मूल्यवान हो। पोर्टल में निर्देश रूप में दिखाए गए कपड़ों की बुनाई विभिन्न मोटाइयों के खादी धागों का उपयोग करके की गई है ताकि बनावट और ढांचा तैयार करने की संभावनाओं का पता लगाया जा सके।

पोर्टल खादी के लिए उत्कृष्टता केन्द्र की वेबसाइट पर होस्ट किया जाएगा और इस तक www.coek.in पर पहुंचा जा सकता है।

# खादी, हमें कर्तव्यों के साथ नैतिक मूल्यों की पहचान कराती है

## - उत्तराखण्ड के महामहिम राज्यपाल

**दिनांक 21.07.2022 को उत्तराखण्ड के महामहिम राज्यपाल श्री गुरमीत सिंह, ले.ज.(से.नि.) के साथ खादी और ग्रामोद्योग आयोग, देहरादून के राज्य कार्यालय द्वारा राज भवन, देहरादून में एक बैठक आयोजित की गई।**

बैठक में आयोग के श्री राम नारायण, निदेशक/प्रभारी, श्री जे. एस. मलिक, सहायक निदेशक एवं श्री दर्शन सिंह, सहायक निदेशक उपस्थित थे। बैठक के दौरान मुख्य रूप से खादी और ग्रामोद्योग आयोग की निम्नलिखित प्रमुख योजनाओं - प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी); ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत हनी मिशन; ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत कुम्हार सशक्तिकरण मिशन; ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत चर्म कारीगर मिशन (चर्म चिकित्सक) ; स्फूर्ति योजना ; खादी योजना की जानकारी पॉवर प्वाइंट परजेंटेशन के माध्यम से दी गयी।

महामहिम राज्यपाल महोदय का स्वागत पुष्पगुच्छ, सूत की माला एवं अंग वस्त्र भेंट कर राज्य निदेशक द्वारा किया गया। योजनाओं की जानकारी विस्तार से राज्य निदेशक द्वारा प्रस्तुत की गयी। महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा उत्तराखण्ड राज्य में चल रही खादी ग्रामोद्योगी गतिविधियों पर संतोष व्यक्त किया गया।

अपने संदेश में महामहिम राज्यपाल महोदय ने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग के जरिये आत्म मूल्य को पहचानकर पूरे जगत को प्रदर्शित करना है। करोना महामारी के दौरान खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र ने दुनिया को इसकी महत्ता को दिखा दिया है। खादी के सम्बंध में उन्होंने कहा कि खादी के धागों ने हमें एकता में बांधा है, प्रत्येक भारतवासी को खादी की अवधारणा के बारे में जागृत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत खादी कार्यकर्ता और बुनकर राष्ट्र निर्माण के स्तम्भ हैं। महामहिम राज्यपाल ने खादी के वस्त्र एवं ग्रामोद्योगी वस्तुओं की सराहना की और 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 05 चयनित इकाईयों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करने को कहा, साथ ही राजभवन में अतिथियों को चाय परोसने हेतु खादी और ग्रामोद्योग आयोग के माध्यम से कुशल कारीगरों द्वारा तैयार कुल्हड की आपूर्ति करने को कहा गया, ताकि उनके उत्पाद को सही दाम और पहचान मिल सके साथ ही 200 खादी वस्त्र के गिफ्ट एवं 150 ग्रामोद्योगी गिफ्ट अतिथियों के उपहार हेतु आपूर्ति करने को कहा गया।

राज्य निदेशक महोदय के निवेदन पर महामहिम द्वारा भविष्य में जारी संदेशों में खादी और ग्रामोद्योग योजनाओं को सम्मिलित करने का भरोसा दिया है, साथ ही खादी और ग्रामोद्योग आयोग के प्रचार-प्रसार हेतु प्रदर्शनी व फैशन शो आयोजित करने के लिए कहा गया, साथ ही ग्रामीण स्तर पर

(शेष पृष्ठ 15 पर)

# मुम्बई में पीएमईजीपी योजना पर राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजन

**आयोग के राज्य कार्यालय, महाराष्ट्र द्वारा दिनांक 21.01.2022 को पीएमईजीपी योजना पर एक राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजन राज्य निदेशक की अध्यक्षता में किया गया।**

इस अवसर पर मुख्य अतिथि संयुक्त निदेशक, उद्योग निदेशालय श्री के.जी. डेकाटे एवं विशिष्ट अतिथि, डीजीएम, आरबीआई और एसएलबीसी संयोजक श्री आर. डी. देशमुख उपस्थित थे। बैठक में पीएमईजीपी2 के शुभारंभ पर चर्चा की गई।

बैठक में आयोग के पीएमईजीपी उप. निदेशक श्री एम. आर. कुलकर्णी ने बैंकर्स प्रमुख, महाराष्ट्र के जिलों के एलडीएम और बैठक में भाग लेने वाले अन्य केवीआईसी, डीआईसी, केवीआईबी और कॉयर बोर्ड के पदाधिकारियों को पीएमईजीपी 2 के बारे में जानकारी दी।

बैठक में पीएमईजीपी योजना की उपब्धियों के बारें संबंधित पदाधिकारियों ने जानकारी दी। बैंकरों द्वारा की गई उपलब्धि लगभग 97% थी, उपलब्धियों के क्रमबार महाराष्ट्र के जिलों के एलडीएम और बैंकर के प्रमुख को पुरस्कृत किया गया।

---

(पृष्ठ से 14 आगे)

**खादी, हमें कर्तव्यों के साथ नैतिक मूल्यों की पहचान कराती......**

उत्पादित जैविक उत्पाद को वितरण हेतु अच्छा स्थान दिलाना सुनिश्चित करें, ताकि अंतिम छोर पर बैठे कारीगर को उत्पाद का सही दाम मिल सके, जिससे उसकी रोजी-रोटी के साथ-साथ स्वावलम्बन/आत्मनिर्भर भारत का निर्माण हो सके। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा एक यूनिवर्सिटी जोड़ने पर विचार किया जाना चाहिए, जहां पर नये-नये अनुसंधान, नई-नई तकनीक के साथ विश्व स्तर के नये-नये उत्पाद भविष्य की मांग के अनुरूप तैयार किये जा सके।

अंत में राज्य निदेशक द्वारा महामहिम राज्यपाल को खादी और ग्रामोद्योग कार्यक्रम की समीक्षा हेतु दिये गये अवसर के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा भविष्य में भी खादी और ग्रामोद्योग योजनाओं के बारे में अपने स्तर से मार्गदर्शित करते रहने का अनुरोध किया गया।

# प्रेस कवरेज

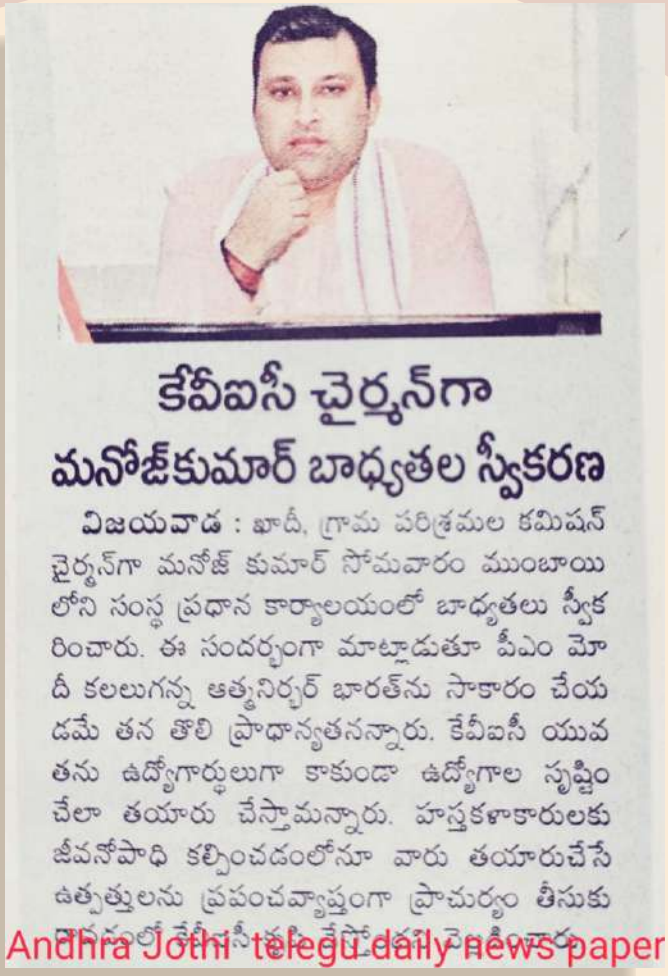

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
FRIDAY, JULY 22, 2022

www.toi.in/psu

imprisonment up to two years or a fine of minimum Rs. 2, 00,000 or both as per BIS Act 2016. Action will be initiated to file a case in the court of law for the offence.

## APPOINTMENTS



**Manoj Kumar assumes charge as KVIC Chairman**

The newly-appointed Chairman of Khadi and Village Industries Commission (KVIC), Manoj Kumar, assumed the charge on July 15, 2022. After taking over as the Chairman, he said realising Prime Minister Modi's dream of "Aatmanirbhar Bharat" would be his priority while also establishing maximum number of small and micro units and creating self-employment through various schemes of KVIC to achieve the larger goal of self-reliant India. He said KVIC would continue working on the vision of the PM that would make the youths "job-givers" instead of being "job-seekers". Kumar, who has worked as Expert Member (Marketing) at KVIC, has a vast experience in the areas of marketing and rural development. He believes that Khadi is spreading like a "silent revolution" in the country which is being led by the PM.



## కేవీఐసీ చైర్మన్‌గా మనోజ్‌కుమార్ బాధ్యతల స్వీకరణ

**విజయవాడ :** ఖాదీ, గ్రామ పరిశ్రమల కమిషన్ చైర్మన్‌గా మనోజ్ కుమార్ సోమవారం ముంబాయి లోని సంస్థ ప్రధాన కార్యాలయంలో బాధ్యతలు స్వీకరించారు. ఈ సందర్భంగా మాట్లాడుతూ పీఎం మోదీ కలలుగన్న ఆత్మనిర్భర్ భారత్‌ను సాకారం చేయడమే తన తొలి ప్రాధాన్యతనన్నారు. కేవీఐసీ యువతను ఉద్యోగార్థులుగా కాకుండా ఉద్యోగాల సృష్టించేలా తయారు చేస్తామన్నారు. హస్తకళాకారులకు జీవనోపాధి కల్పించడంలోనూ వారు తయారుచేసే ఉత్పత్తులను ప్రపంచవ్యాప్తంగా ప్రాచుర్యం తీసుకు

Andhra Jothi telegu daily news paper

4 हिन्दुस्तान प्रहरी

## खादी और ग्रामोद्योग आयोग के नए अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने पदभार ग्रहण किया

**मुंबई संवाददाता।** खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) के नए अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने 15 जुलाई, 2022 (शुक्रवार) को पदभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद, उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को पूरा करना है और जमीनी स्तर पर अधिक से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम इकाइयों की स्थापना करके KVIC की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से देश में अतिरिक्त रोजगार के साथ-साथ स्वावलंबी भारत के निर्माण में अहम योगदान देना है। केवीआईसी माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विजन पर काम करेगा, जिसके तहत हमारे युवा 'नौकरी तलाशने वाले नहीं, अपितु नौकरी देने वाले' बनें।

केवीआईसी मे विशेषज्ञ सदस्य विपणन (मार्केटिंग) के रूप में कार्य कर चुके श्री मनोज कुमार के पास विपणन और ग्रामीण विकास का व्यापक अनुभव है। वह मानते हैं कि देश में खादी की 'एक मौन क्रांति' चल रही है, जिसके नायक माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हैं। पिछले 8 वर्षों में माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में 'खादी इंडिया' ने जो लक्ष्य हासिल किए हैं वो अद्भुत है।

के.वी.आई.सी अध्यक्ष श्री मनोज कुमार के अनुसार उनका प्रयास होगा कि KVIC के साथ जुड़े ज्यादा से ज्यादा 'कारीगरों के हाथों में पैसा पहुंचे' ताकि उनके आय के स्रोत बढ़ें, जिससे समाज के अंतिम पायदान पर खड़े कारीगरों का आर्थिक विकास हो और उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके। आयोग का प्रयास होगा कि 'हर हाथ को काम और काम का उचित दाम' मिले। श्री मनोज कुमार के अनुसार वह माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के "सबका साथ, सबका विकास" और 'खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन और खादी फॉर ट्रांसफार्मेशन' के मूलमंत्र पर खादी इंडिया को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाने का प्रयास करेंगे। जिस तरह से खादी पिछले कुछ वर्षों में भारत में फिर से लोकप्रिय हुई है उसी तरह से इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना उनकी प्राथमिकता होगी।

# प्रेस कवरेज

दैनिक यशोभूमि

## के.वी.आई.सी. अध्यक्ष मनोज कुमार ने कार्यभार ग्रहण किया

**मुंबई (यशोडेस्क),** खादी और ग्रामोद्योग आयोग ( के.वी.आई.सी. ) के नए अध्यक्ष मनोज कुमार ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करना और जमीनी स्तर पर अधिक से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम इकाइयों की स्थापना करके के.वी.आई.सी. की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से देश में अतिरिक्त रोजगार के साथ-साथ स्वावलंबी भारत के निर्माण में अहम योगदान देना है। के.वी.आई. सी. प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के विजन पर काम करेगा, जिसके तहत हमारे युवा नौकरी तलाशने वाले नहीं बल्की नौकरी देने वाले बनें के.वी.आई.सी. में विशेषज्ञ सदस्य विपणन (मार्केटिंग ) के रूप में कार्य कर चुके मनोज कुमार के पास विपणन और ग्रामीण विकास का व्यापक अनुभव है। वह मानते हैं कि देश में खादी की एक मौन क्रांति चल रही है,जिसके नायक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं।

के.वी.आई.सी. अध्यक्ष मनोज कुमार के अनुसार उनका प्रयास होगा कि के.वी.आई.सी. के साथ जुड़े ज्यादा से ज्यादा कारीगरों के हाथों में पैसा पहुंचे ताकि उनकी आय का स्त्रोत बढ़ें। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े कारीगरों का आर्थिक विकास हो और उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके। आयोग का प्रयास होगा कि हर हाथ को काम और काम का उचित दाम मिले। मनोज कुमार के अनुसार वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास और खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन और खादी फॉर ट्रांसफारमेशन के मूलमंत्र पर खादी इंडिया को नई उचाइयों पर पहुंचाने का प्रयास करेंगे। जिस तरह से खादी पिछले कुछ वर्षों में भारत में फिर से लोकप्रिय हुई है उसी तरह से इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना उनकी प्राथमिकता होगी। उनका प्रयास होगा कि खादी लोकल से खादी ग्लोबल हो जाए और पूरी दुनिया में भारत के स्वदेशी उत्पादों की मांग बढ़े।

Yeshobhumi Edition
Jul 19, 2022 Page No. 3

## FOCUS NEWS

### KVIC Chairman Manoj Kumar Assumes Charge; says creating livelihood for Artisans & Popularizing Khadi Globally will be Priority

**Mumbai, Focus News:** The newly-appointed Chairman of Khadi and Village Industries Commission (KVIC), Manoj Kumar assumed the charge on Friday, 15th July 2022. After taking over as the Chairman, Manoj Kumar said realizing Prime Minister Narendra Modi's dream of "Aatmanirbhar Bharat" would be his priority while also establishing maximum number of small and micro units and creating self-employment through various schemes of KVIC to achieve the larger goal of self-reliant India. He said KVIC would continue working on the vision of the PM that would make the youths "Job-givers" instead of being "job-seekers". Manoj Kumar, who has worked as Expert Member (Marketing) at KVIC, has a vast experience in the areas of marketing and rural development. He believes that Khadi is spreading like a "silent revolution" in the country which is being led by the PM. He said the achievements of "Khadi India" in the last 8 years have been outstanding.

The KVIC Chairman said he would sure that the money disbursed by the government reached directly into the hands of Khadi artisans that would, in turn, pave the way for economic empowerment of the weaker sections of the society particularly the poorest of the poor. He said the KVIC would strive to ensure that every hand gets sufficient work and is fairly remunerated for their works. Manoj Kumar said he would follow the mantra of "Sabka Sath, Sabka Vikas" and "Khadi for Nation, Khadi for Fashion and Khadi for Transformation" to take the brand Khadi India to new heights. "Popularizing Khadi on the global platform, the way it has gained popularity in India, will be a top priority. Our efforts will be to make Khadi "Global" from being a "Local" product so that Khadi's demand increases significantly across the world," Manoj Kumar said.

# प्रेस कवरेज

## Shimti u Manoj Kumar kum u Chairman bathymmai ka KVIC

**Shillong, Naitung :** U Shri Manoj Kumar u la shimti kum u Chairman bathymmai ka Khasi and Village Industries Commission (KVIC) ha ka 15 tarik Naitung 2022.

Hadien ba u la shimti ïa kane ka kam kum u Chairman, u Manoj Kumar u la ong da ka ba sngewthuh halor ki jingphohsniew jong u Myntri Rangbahduh (PM) ka ri u Narendra Modi ha ka ba ïadei bad ka "Aatmanirbhar Bharat," kumta ruh ka thong ba kongsan ka jong u ka long ban kyntiew ha ka ba ïadei bad ki kam karkhana rit bad ban thaw ïa ki lad ïoh kam ïoh jam lyngba ki skhim bapher bapher ka KVIC khnang ban lah ban ïoh ïa ka jingjop ka ba kham khraw na ka bynta ban pynlong ïa ka ri India ka ba lah ban pynbiang na lade hi.

Nalor kata u la ong ruh ba ka KVIC kan ïai bteng ban trei halor katei ka thong ba la ïohi da u PM Modi ka ban pynlong ïa ki samla ki nong aikam ai jam ha ka jaka ban long ki nong wad kam.

U Manoj Kumar u ba la trei teng ruh kum u Expert Member (Marketing) hapoh KVIC, u dei u ba la don jingtbit shibun ha ka ba ïadei bad ki jaka pynïaid ïew lad halor ka roi ka par ha ki thaiñ nongkyndong.U ngeit uh ba ka Khadi ka la pynphriang ïa ka jingïaleh ka ba jarjar hapoh ka ri hapoh ka jingïalam jong u PM Modi.

Nalor kata u la ong ruh ba ki jingjop jong ka 'Khadi India' ha kine ki phra snem ba la leit noh ka la long ka ba khraw shibun.

Une u Chairman ka KVIC u la ong ruh ba un pynthikna ba ka pisa ba la pyllait da ka sorkar kan poi beit beit sha ki kti jong ki nongseng kam seng jam ka Khadi bad ka ban lah ban kyntiew ïa ka ïoh ka kot hapdeng ki longïing ki ba kham duna ha ka liang ka ïoh ka kot ha ka imlang ka sahlang.

## KVIC remembers Munshi Premchand

■ Staff Reporter
RAIPUR, July 29

STATE office of the Khadi and Village Industries Commission (KVIC) organise a programme on the occasion of birth anniversary of great littérateur of Hindi Munshi Premchand here at Raipur on Friday.

Addressing the officials and staff members of the commission, Dr Arti Upadhyay highlighted the literary works and life of Munshi Premchand.

Director of the commission Dr Ajay Kumar Singh, Deputy Director B N mataghare, Assistant Director Karnail Chand and Hindi Division In-charge Rizwan Ahmed was especially present on the occasion.

A senior official of Khadi and Village Industries Commission presenting memento to Dr Arti Upadhyay.

## खादी ग्रामोद्योग ने मनाई साहित्यकार जयंती

रायपुर। राज्य कार्यालय खादी और ग्रामोद्योग आयोग रायपुर में हिंदी के साहित्यकार की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. आरती उपाध्याय या समस्त अधिकारियों और कर्मचरियों को संबोधित किया और मुंशी प्रेमचंद की लेखनी और जीवनी के बारे में बताया। इस अवसर पर निदेशक डॉ. अजय कुमार सिंह, उपनिदेशक बीएन माताघारे, सहायक निदेशक करनैल चंद, हिंदी अनुभाग प्रभारी रिजवान अहमद और कार्यालय अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

सत्यमेव जयते

सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises,
Government of India.

# Khadi India

# हस्तनिर्मित

स्विट्जरलैंड से पेन और घड़ियाँ,
फ्रांस से चमड़े के जूते,
इटली से पर्स व बटुए और
मिस्र से कॉटन वस्त्र.

**आप इन विदेशी वस्तुओं के लिए हजारों खर्च करते हैं और खरीदते हैं,**
**और जब भारतीय हस्तशिल्प खरीदने की बात आती है, आप संकोच करते हैं !**

## इस अवसर पर

अपने शहर के किसी खादी इण्डिया आउटलेट पर जाएं,
गर्व से खरीदें उच्च गुणवत्ता के हस्तनिर्मित वस्त्र और उत्पाद,
जो आपके देशवासियों द्वारा ग्रामीण भारत में बनाये गए हैं !

## क्यों विदेशी हाथों को भुगतान करें ?
## भारत की आत्मीयता को महसूस करें

विनय कुमार सक्सेना
अध्यक्ष
**खादी और ग्रामोद्योग आयोग**
सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
वेबसाइट : www.kvic.org.in

KVIC ARTWING 2018

https://www.msme.gov.in | Follow us on minmsme @minmsme | Website: www.kvic.org.in | Follow us on kvicindia @kvicindia